

कार्यरत माता— पिता की समस्याएँ; उनके बच्चों के विकास का अद्यतन अध्ययन

रंजना सिंह¹; प्रो. सीता राम सिंह²

^{1,2}समाजशास्त्र विभाग, जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल पी. जी. कॉलेज, बाराबंकी राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, अयोध्या

Corresponding Author Email: ranjanasingh0117@gmail.com

शोध सारांश—यह लेख लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों, स्थानों, संघटनों में कार्यरत माता पिता के बच्चों के विकास और समाजीकरण तथा समच्छ आने वाली समस्याओं के बारे में जानना और उनकी कार्यप्रणाली की जाँच से संबंधित है। प्रमुख समस्या समयाभाव की रहती है जिसका जिक्र प्रत्येक माता पिता करते हैं। परंतु अगर दोनों आपस में सूझ- बुझ के साथ अपने कामों को संपादित करें तो ज्यादा समस्या नहीं होगी। इसके बाद अगर एक छुट्टी ले तो दूसरा काम पर जाए, फिर दूसरा छुट्टी ले तो पहला काम करने जाए, इस तरह काम करने से दोनों को समस्या नहीं होगी, और बच्चे का पालन पोषण अच्छे से होगा। इसमें परिवार का भी सहयोग बहुत जरूरी है, परिवार के सानिध्य में बच्चों का विकास और समाजीकरण सही दिशा में होता है।

कीवर्ड – समाजीकरण, सामंजस्य, पारिवारिक संरचना, मूल्यों का विकाश, मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण,

I. प्रस्तावना

कामकाजी माता पिता में माता और पिता दोनों शामिल होते हैं। जो पेशेवर जिंदगी जी रहें हैं। आमतौर पर कामकाजी माता पिता के बारे में बहुत अटकलें लगाई जाती हैं। इस बारे में कि क्या उन्हें अपने माता पिता के कर्तव्यों को छोड़ना चाहिए और इसके बजाय अपने पेशेवर कर्तव्यों पर काम करना चाहिए। आश्चर्य की बात है कि आज घर की औरतों और घर के पतियों को कामकाजी माता पिता माना जाता है। व्यस्त कामकाजी माता पिता को अक्सर समय की कमी का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके परिवार के साथ सार्थक जुड़ाव के सीमित अवसर रह जाते हैं। गुणवत्ता पूर्ण समय की कमी बच्चों की भावनात्मक भलाई, संज्ञानात्मक विकाश और उनके माता के साथ समग्र संबंधों को प्रभावित करता है जैसा कि एल. के. जैक्शन ने अपने पुस्तक में बच्चों के विकाश और सामंजस्य की बात की है। एम विजमैन ने बच्चों के मौलिक विकाश व आक्रामक के बीच परस्पर क्रिया का उल्लेख किया है। आर अल्गोसीमा¹ ने बच्चों के समाजीकरण में बचपन में मूल्य संरचना और प्राथमिकताओं की इस्थिरता और परिवर्तन का विस्तृत उल्लेख किया है। कैरिलीन बी मेलोनी ने महामंदी में कामकाजी माताओं की परिस्थितियों और उनकी समस्याओं की बेहतर व्याख्या की है। एलेन क्रिगर ने (10 अक्टूबर 1989) में अपनी लेख में बताया है कि एक माँ नौकरी पेशा लोगों के खिलाफ घर में रहने की लड़ाई लड़ती है, जैसे कई महत्वपूर्ण लोगों ने कामकाजी माता पिता की समस्याओं व बच्चों के विकास के बारे में बताया है।

II. समस्या कथन

कभी कभी बदलती पारिवारिक संरचनाओं के परिणामस्वरूप कई लैंगिक असमानता के मुद्दों हो सकते हैं। वास्तव में, कुछ बाधाएं और प्रतिबंध हैं जो समाज रखता है, एक माँ और पिता के बीच अस्पष्ट रूप से अंतर करता है कार्य स्थल या घर पर होने वाली घटनाओं और अपेक्षाओं से इन प्रतिबंधों को आसानी से देख जा सकता है। अधिकांश परिवारों में पिता आमतौर पर परिवार का पालन पोषण करते हैं जबकि माँ घर पर रहती हैं। हालांकि कई विवाहित जोड़े दो आयामी भी हैं। जहाँ पति और पत्नी दोनों अपने परिवार का समर्थन करने के अलावा अपने घर को चलाने के लिए एक महत्वपूर्ण राशि कमाते हैं।

III. बच्चों का विकास एवं समाजीकरण

समय बितने के साथ— साथ परिवार की संरचना और काम के कार्यक्रम में बदलाव हुए। इसका प्रतीक उन प्रकार के कार्य अवसरों द्वारा दिखाया गया था जो संबंधित माता पिता के वेतन और लाभों को ध्यान में रखते हुए उभरे थे। इसके अलावा कुछ कार्यालय के घंटे घंटे भी बदल गए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि माता पिता को अंततः अपने बच्चों के साथ बिताए जाने के लिए बहुत समय मिल जाए। भले ही बहुत से माता पिता बनने के लिए सही व्यवस्था के बारे में बहस करते हैं, लेकिन बहुत से माता पिता केवल एक ही आय के श्रोत पर जीवित रह सकते हैं। इस प्रकार, यह इसलिए है क्योंकि कई परिवारों के लिए अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए एक व्यक्ति पर निर्भर होना और निर्भर होना मुश्किल है। इसलिए कई माता पिता आमतौर पर अपने कर्तव्यों को विभाजित नहीं करते हैं। समाज के अनुसार, आदर्श रूप से माता पिता में से एक को देखभाल करने वाला माना जाता है।

कामकाजी माता पिता के कई फायदे और नुकसान हैं जिन पर आप विचार कर सकते हैं जिन पर आप विचार कर सकते हैं। निश्चित रूप से कामकाजी माता पिता के और नुकसान के बारे में सोचना होगा। खासकर जब काम की संरचना की आदर्श व्यवस्था के बारे में बहस हो रही हो। एक परिवार जिसमें दोनों माता पिता काम करते हैं, आमतौर पर आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। इस प्रकार यह लाभ अंततः उनके बच्चों को प्राप्त होता है, जिन्हें वास्तव में कीमतों में वृद्धि के कारण होने वाले वित्तीय तनाव के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं होती है। परिवार जितना अधिक पैसा कमाता है उतना ही यादगार छुट्टियां भी कामकाजी माता पिता के होने के कुछ अन्य लाभ हैं। अंततः कई परिवार अपने बच्चों के कालेज के लिए भी बचत कर सकेंगे इसके अलावा, अच्छे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली अधिक पिकनिक, यात्रायें साथ ही यादगार छुट्टियां भी कामकाजी माता पिता के होने के कुछ अन्य लाभ हैं।

IV. मूल्यों का विकास

फिर भी, कामकाजी माता पिता को अपने बच्चों को बहुत बहुत बार नहीं देखने के लिए दोषी महसूस करना पड़ सकता है। जिन बच्चों का पालन पोषण उन परिवेशों में होता है जहां दोनों माता पिता काम करते हैं, वे अपने घरों में अन्य वयस्कों का सम्मान करना सीखते हैं। इसके अलावा, एक अच्छी गुणवत्ता वाली क डिकेयर प्रणाली उन्हें लगातार साथियों के आस पास रहने में भी मदद करती हैं, जिससे उन्हें अपने सामाजिक कौशल को बढ़ाने में मदद मिलती है, कभी कभी ऐसी ऐसी स्थितियों में बच्चों के अपने कामकाजी माता पिता के साथ संबंधों को प्रभावित करने की छमता भी होती है।

बैंक खातों से मिलने वाले लाभों के अलावा, माता पिता को अपने कर्तव्यों को समान रूप से शाझा करने की उम्मीद की जा सकती है जिससे उनके बंधन में मदद मिलती है समय के साथ यह घर में बहुत सामंजस्य और खुशी ला सकता है हालांकि कामकाजी माता पिता के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि वे अपने बच्चों के घर और स्कूल के कार्यक्रमों में एक साथ माता पिता गतिविधियों का आयोजन और कार्य कर सकें।

समाज आमतौर पर महिलाओं को घर में पूर्णकालिक देखभाल करने वालों और पुरुषों को अपने परिवारों के लिए रोटी बनाने वालों के लिए पसंद करता है, हालांकि दुनिया हर दिन अपनी धारणाओं और विश्वासों को बदलती रहती है, जिससे अंततः एक बेहतर आदान प्रदान होता है जैसा कि अमेरिकी जनगणना ब्यूरो 2019 में ऐसे परिवार शामिल हैं जिनके माता पिता दोनों कार्यरत हैं।

कामकाजी माँ बच्चे को कैसे प्रभावित करती है. यह सबसे आवश्यक पहलू है. कामकाजी माँ को कभी कभी अपने बच्चे को देखने या उनके साथ समय बिताने में सक्षम होने के बारे में बहुत दुख हो सकता है. आखिरकार बच्चे को भी हर समय अपनी माँ के बिना घर के अनुकूल करना सीखना होगा. समय बितने के साथ बच्चे को अपने माता पिता के साथ कम ही संपर्क होता है. कामकाजी माँ को कई अन्य जिम्मेदारियों का भी सामना करना पड़ता है वह अपने कामकाजी पति के साथ मिलकर बच्चों की देखभाल करने के साथ साथ उनके पेशेवर संगठनों की माँग को पुरा करना होगा, कभी कभी वह अपने घरों का प्रबंधन करने और अपने माता पिता से संपर्क बनाए रखने के साथ साथ जुड़े छिपे हुए तनाव से भी बोझिल होते हैं।

यह उनके लिए बहुत कम या बिल्कुल भी समय नहीं देता क्योंकि उन्हें पहले से ही बड़ी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना पड़ता है. कामकाजी माता पिता का स्वास्थ्य भी खतरे में पड़ सकता है. यदि हम यह जनना चाहे कि कामकाजी माता पिता

कैसे काम करते हैं और कैसे घर के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हैं तो इसका उत्तर बहुत चुनौतियों से भरा है इसके अलावा महामारी ने निश्चित रूप से कई कामकाजी माँ बाप को यह महसूस कराया कि अपने बच्चों के ऑनलाइन स्कूल की सुविधा, घरेलू कार्यों की देखभाल और घर के काम करने के अपने कार्यक्रम की योजना बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।

कई कंपनियों और संगठनों ने अपने कर्मचारियों को कम बजट और मुनाफे के कारण निकाल दिया. कई कामकाजी माता पिता ने अपनी नौकरी खो दी, जिससे तनाव बढ़ गया. वास्तव में दोनों को काम पर ध्यान देने से पहले कई जिम्मेदारियों को पुरा करना पड़ता है. वास्तव में यह उनपर लागू होता है जिनके बच्चे अभी बहुत छोटे हैं जिन्हें बहुत देखभाल की आवश्यकता होती है. अपनी आजीविका बेहतर बनाने के लिए कई कंपनियों में काम करते हैं जो निश्चित रूप से थकाऊ होता है जिससे वह तनाव में पड़ जाते हैं.. कई जगह तो उन्हें कार्यस्थल पर लचीलापन नहीं मिलता जिससे उन्हें लगातार नींद की कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उन्हें और जोखिम में डाल देती हैं।

कैरियर के अवसरों में भी काफी चुनौतियां होती हैं. हर नई नौकरी के साथ साथ बदलाव और सीखने की अवधि होती है, फिर भी लगातार बदलावों से निपटने से किसी व्यक्ति के कैरियर में बुद्धि में बाधा आ सकती है. उन्हें अपने सहकर्मियों से विभिन्न रुढ़िवादी टिप्पड़ियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके परिणाम स्वरूप थकान और मानसिक तनाव होता है, यह अन्य कर्मचारियों को यह महसूस कराता है कि उनकी घरेलू जिम्मेदारियाँ उन्हें काम से विचलित कर रही हैं।

V. निष्कर्ष

क्या हमने सोचा है कि आज ऐसे माता पिता की क्या स्थिति है? कुछ हफ्तों के लॉकडाउन ने अप्रतयसित रूप से दो साल के नियमों और सख्त दिशा निर्देश में बदल दिया . आज कामकाजी माता पिता की स्थिति में सुधार हुआ है . कंपनियों और संगठनों को काम और घर के बीच संतुलन के महत्व के बारे में अधिक जानकारी है. वे कर्मचारियों को ज्यादा तनाव दिये बिना कार्यालय की उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों की तलाश में आगे बढ़ रहे हैं।

हालाँकि, महामारी के दौरान, कई कामकाजी माताओं ने अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी वास्तव में 2020 में सितंबर में की गयी एक जनगणना के अनुसार 860,000 से अधिक महिलाओं ने अपनी नौकरियों को छोड़ने और परिवार की जिम्मेदारियों के लिए अपना समय समर्पित करने पर विचार किया. कामकाजी माता पिता का जीवन तनावपूर्ण होता है. हालाँकि, कार्यालय में उचित कार्य संस्कृति और नैतिकता के साथ कामकाजी माता पिता अपने जीवन में कई बाधाओं को दूर करने के लिए निश्चित हैं।

VI. स्वीकृति

राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेज में प्रोफेसर, डॉ. सीताराम सिंह को उनके समर्थन और सलाह के लिए धन्यवाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. गुप्ता एवं शर्मा का समजशास्त्रिय अध्ययन, रावत पब्लिकेशन का सामाजिक सांख्यिकि, राम आहूजा की सामाजिक समस्याएं
2. अब्राहम एस डेनियल. ई नाफों नोआम ए. (2017), बच्चों के साझाकरण और व्यक्तिगत मूल्यों की भूमिका . जे स्वरूप , 165,117 134 10 1016
3. बेनिश विजमैन एम (2015) किशोरावस्था में मूल्यों और आक्रामकता के बीच परस्पर क्रिया एक अनुद्धेय अध्ययन. देव श्यकॉले .51;677.10.1037/ dev0000015
4. सीसीयुक् . जे. देवीडोबे ई अल्गेश्यमा आर . (2016) बचपन में मूल्य संरचना और प्राथमिकताओं की इस्थिरता और परिवर्तन: एक अनुद्धेय अध्ययन. समाज देव 25 503— 527.10.1111/sode. 12147

5. ग्रे जे ये (1970) अंतर्मुखता, बहिर्मुखता का मनोशरीरिक आधारध व्यवहार एस. वहा 8249–266.10.
1016/0005–7967(70) 90069–0.